सिय सियावल्लभ लाल की सखि

सिय सियावल्लभ लाल की सखि आरति करिए ।
दंपति छवि अवलोकि के निज नयना धरिए ॥

अंग अनूप सुहावने पट भूषण राजे ।
नेह भरे दोउ रसिक सुभग सिंहासन साजे ॥१॥

मंद मंद मुस्काय के सिया गल भुज डारे ।
ललक लिए उर लाए प्राण प्रीतम निज प्यारे॥२॥

ललनागण बड़भागिनी लोचन फल पावें ।
सेवहिं भाव बढ़ाय के मुदमंगल गावें ॥३॥

चँवर छत्र कोइ लिए बाजने विपुल बजावें ।
प्रेम लता उर उमगि सुमन नचि नचि बरसावें ॥४॥

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/7113/title/siy-siyabhalabh-lal-ki-sakhi-shayan-aarati

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |